

अध्याय-4

निजी क्षेत्र

भूमिका

देश में इस्पात की उपलब्धता में वृद्धि करने के लिए निजी क्षेत्र प्रमुख भूमिका अदा कर रहा है। परिसज्जित इस्पात उत्पादन अदा कर रहा है। परिसज्जित इस्पात उत्पादन में इस क्षेत्र का योगदान जो 1992-93 में 45 प्रतिशत या 2002-03 में बढ़कर 68 प्रतिशत हो गया। इस प्रकार निजी क्षेत्र कच्चे लोहे और स्पंज लोहे के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लि. (टिस्को)

टाटा स्टील ने आधुनिकीकरण के चार चरण पूरे करने के बाद 35.4 लाख टन परिष्कृत इस्पात और 42.2 कच्चे इस्पात के उत्पादन का लक्ष्य सभी पूर्व रिकार्डों को पीछे छोड़ते हुए प्राप्त किया है। टिस्को के निष्पादन को उच्चतर मात्रा उत्कृष्ट उत्पाद मिश्र तथा लागत में कमी और सुधार क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के लिए परिलक्षित किया गया था।

पश्चिम बोकारो के इतिहास में पहली बार 16 प्रतिशत और 15 प्रतिशत भस्म पर शुद्ध कोयला उत्पादन:

पश्चिम बोकारो के कोयला निक्षेप मध्यम दर्जे और लगभग 36 प्रतिशत भस्मयुक्त है। अत्यधिक मात्रा में इस कोयले को भस्मातरित करने और "नियर ग्रेविटी मैटिरियल" में इस्तेमाल करना कठिन है। इन विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए पश्चिम बोकारो 17 प्रतिशत भस्म पर शुद्ध कोयला उत्पादित कर रहा था और 2002-03 तक 39 प्रतिशत का उत्पादन स्थिर कर चुका था। यह अनुभव किया गया कि वर्तमान संयंत्र में, निम्नतर भस्म पर बिना काफी मात्रा में उत्पादन खोए शुद्ध कोयला उत्पादन सांव नहीं होगा। नवम्बर-दिसंबर 2002 में 16 प्रतिशत भस्म पर शुद्ध कोयला, उत्पादन की संभावनाएं खोजने के लिए एक गंभीर विचार-मंथन सत्र आयोजित किया गया। इसी प्रकार, जनवरी-फरवरी 2003 के दौरान दोनों धोवनशालाओं में एक प्रयोग अभियान चलाया गया।

इन प्रयोगों का प्रचालन विभाग और आर एण्ड डी जेएसआर द्वारा सूक्ष्म अनुवीक्षण किया गया। प्रयोगों के दौरान यह देखा गया कि भस्म को 17 प्रतिशत से 16 प्रतिशत तक 1 प्रतिशत रूपांतरित करने से उत्पादन में 5 प्रतिशत हानि हुई थी।

वर्ष 2003-04 के योजना निर्माण के दौरान विभाग द्वारा उत्पादन में कमी को घटाते हुए जमशेदपुर इस्पात वर्क्स को आपूर्ति के लिए 16 प्रतिशत भस्म पर शुद्ध कोयला उत्पाद की चुनौती ली गई। इसके बदले में विभागों द्वारा विभिन्न पहलें कर के उत्पादन अंतराल को पाटने की चुनौती स्वीकार की गई। 3.5 प्रतिशत के अंतराल पाटने का अतिरिक्त लक्ष्य रखा गया। चूंकि उच्च भस्म कोयला ब्लास्ट फर्नेस की उत्पाद कला को घटाता है, चुनौती थी कि शुद्ध कोयले की भस्म को कैसे घटाया जाए और उसके साथ ही उत्पादन की हानि को कम किया जाए ताकि कोयले की कुद जरूरत पूरी हो सके।

जिन मूल पहलों का प्रवर्तन किया गया इनमें शामिल थी :

- प्रत्येक सीम के लम्बे अभियान को प्राप्त करने और निम्नतर प्रदूषण सहित कच्चे कोयले की आपूर्ति के लिए (संशोधित खान परियोजना)
 - धोवनशालाओं पर उच्च उपज खंड उत्पादन के लिए प्रतिमान पुनः समायोजन द्वारा उत्पादन वृद्धि निर्जलीकरण केन्द्रापसारों से पुनः प्राप्ति सुधारने के लिए फ्लोक्यूलेंट ओर कॉंग्यूलेंट का इस्तेमाल, डीएम साइक्लोन उत्पादन को सुधारने के लिए विस्को सिटी मॉडिफायर का इस्तेमाल
 - उत्पादन बढ़ाने के लिए पारंपरिक डच स्टेट माइन साइक्लोन के स्थान पर स्क्रोल्ड इवॉल्यूट साइक्लोन का इस्तेमाल
 - इन सभी पहलों ने पश्चिम बोकारो को एफ4 2004 में 17.00 एलटी के एबीपी की जगह 18.08 एलटी शुद्ध कोयला उत्पादन के लिए सहायता पहुंचायी।
- पुनः वर्ष 2004-05 में, ब्लास्ट फर्नेस ऑपरेशन की सम्पूर्ति के लिए, हमारी धोवनशालाओं में प्रयोगों की एक शृंखला के बाद अगस्त 2004 में शुद्ध कोयला भस्म को और घटाकर 15: कर दिया गया। सभी

संयंत्रों की उपयोगिता वृद्धि करते और उपरोक्त पहलों को जारी रखते हुए हमने कुछ अतिरिक्त पहलों को भी अपनाया जो निम्नलिखित हैं—

हम वर्ष 2004-05 में शुद्ध कोयला उत्पादन हानि में कमी और 19.60 लाख टन शुद्ध कोयला उत्पादन की आशा कर पाए हैं जो पश्चिम बोकारो की इतिहास में अधिकतम है—

इन पहलों के दौरान पश्चिम बोकारो ने उपभोक्ता की बदलती जरूरतों को पूरा करने हेतु प्रक्रिया पुनः योजन की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। यह धोवन अभियान के बरसों पुराने तरीकों को भी चुनौती दे पाई है। नई तकनीक को अपनाने की तत्परता ने चुनौतियों पर खरा उतरने में विभाग को मदद दी है।

इस्पात इंडस्ट्रीज लिमिटेड

इस्पात इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने निजी क्षेत्र में भारत के डोलवी में रामगढ़ डिस्ट्रिक्ट, महाराष्ट्र में तृप्त बेल्लन इस्पात का सबसे बड़ा एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थापित किया है। 3 मिलियन टन प्रति वर्ष निर्माण क्षमता वाला डोलवी काम्प्लैक्स एक अति आधुनिक ब्लास्ट फर्नेस का भी विकास कर रहा है। इस्पात मटैलिकस इंडिया लिमिटेड नायक एक समूह कम्पनी द्वारा स्थापित, जिसमें 20 लाख टन प्रति वर्ष तप्त धातु/कच्चा लोहा उत्पादित करने की क्षमता है। साथ ही इसमें एक डीआरआई संयंत्र है जिसमें 16 लाख टन प्रति वर्ष की क्षमता है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2005 तक यह काम्प्लैक्स 110 एमडब्लू कैप्टिव पॉवर संयंत्र (जो बीएफ गैस का इस्तेमाल करेगा) को जोड़ने की ओर भी अग्रसर है।

यह एकीकृत इस्पात संयंत्र इस्पात उत्पादन के लिए कनवर्टर कम इलैक्ट्रिक आर्क फर्नेस रूट (सीओएनएआरसी कोनार्क प्रक्रिया) का इस्तेमाल कर रहा है। इस प्रोजेक्ट में आईआईएल ने भारत में पहली बार द्रव्य इस्पात के उत्पादन के लिए तप्त धातु और इलैक्ट्रिक आर्क फर्नेस में डीआरआई (स्पंज लौह) के इस्तेमाल को जोड़ दिया है। द्रव इस्पात की ढलाई और बेल्लन के लिए इस्पात इंडस्ट्रीज लि. के पास स्टेट आफ द आर्ट तकनीक है, जिसे काम्पैक्ट स्ट्रिप प्रोडक्शन (सीएसपी) प्रक्रिया कहा जाता है। जो भारत में पहली बार स्थापित की गई है और जो उच्च एचआरसी की गुणवत्ता वाली और विशेष रूप से अत्यधिक पतली गॉजिस का उत्पादन करती है। इस्पात इंडस्ट्रीज लि. के उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अच्छी स्वीकार्यता है।

एस्सार इस्पात लिमिटेड

एस्सार उन्नत सुविधाएं युक्त 2.4 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष गर्म रॉलड स्टील क्वाइल्स की क्षमता रखता है जो हजीरा, गुजरात में अवस्थित है। यह भारत का प्रथम एकीकृत इस्पात संयंत्र है। जिसने दोनों ISO:9002 और ISO:14001 प्रमाणपत्र प्राप्त किया है।

विश्व के बेहतरीन और अत्याधुनिक उपकरण और स्वचालन का उच्च स्तरों ने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों में इसकी धाक न केवल देश में जमा दी बल्कि विश्व में अपना महत्वपूर्ण स्थान बना लिया। एस्सार इस्पात लि. प्लैट उत्पादों का एकल सबसे बड़ा निर्यातक है, जिसके निर्यात का बड़ा हिस्सा सुदूर पूर्व, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व, चीन, यूरोप और अफ्रीका को जाता है।

किए गए सुधारवादी बदलावों से कम्पनी को उत्पादकता बढ़ाने, लागत को कम रखने और उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाने में फायदा हुआ है।

तकनीकी परिवर्तनों और प्रक्रियात्मक सुधारों से।

जिंदल विजय नगर इस्पात लिमिटेड

जिंदल विजय नगर इस्पात लि. की क्षमता 1.6 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष गर्म रॉलड क्वाइल्स की है, एकीकृत इस्पात संयंत्र ऑक्सीजन आयरन मेकिंग के कोरेक्स पद्धति पर आधारित है। प्रक्रियात्मक रास्ता लौह अयस्क बेनिफिकेशन प्लांट-पेलेट प्लांट कोरेक्स-बीओएफ-सीसीपी-एचएसएम है। उत्पादन सुविधाएं जिसमें 1.5 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष लौह अयस्क बेनिफिकेशन इकाई, 4.2 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष पेलेट प्लांट, दो कोरेक्स इकाईयां जो प्रत्येक 0.8 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष, 2x130 टन कनवर्टर, दो स्लैब कास्टर्स और गर्म स्ट्रिप मिल जिसमें अति उन्नत क्वाइल बॉक्स तकनोलॉजी लगा है। इसने यूरो आइकॉन आयरन एण्ड स्टील प्राइवेट लि. के साथ 0.9 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष ब्लास्ट फर्नेस के लिए गठजोड़ किया है और 0.62 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष कोक भट्टी के लिए यूरो कोक और एनर्जी प्राइवेट लि. का साथ लिया है जो क्रमशः 19.08.2004 और 22.11.2004 को चालू हो गई।

वित्तीय निष्पादन : बड़े निजी क्षेत्र के संयंत्र

बड़े निजी क्षेत्र संयंत्रों का महत्वपूर्ण निजी इस्पात संयंत्रों को वित्तीय निष्पादन—एस्सार इस्पात, इस्पात इंडस्ट्रीज, जिंदल विजयनगर इस्पात लि. और टाटा इस्पात का 2002-03 और 2003-04 की तालिका अधोलिखित है:

यूनिट : करोड़ (रूपये)

कम्पनी (शुद्ध लाभ/हानि)	2002-03	2003-04
टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लि.	1012.31	1746.22
एस्सार स्टील लि.	1.51*	59.99
जिंदल विजयनगर स्टील लि.	(110.67)	528.68
इस्पात इंडस्ट्रीज लि.	82.83	44.32

31 मार्च 2003 को एस्सार इस्पात ने जो कम्पनी का 6 महीने की अवधि का वित्तीय लेखा—जोखा दर्शाता है। इससे पूर्व की अवधि जो 30 सितम्बर, 2002 को समाप्त हो गई, 18 महीने की अवधि जिसे कम्पनी ने अपनाया—वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004-05 (अप्रैल—सितम्बर) इन कम्पनियों का डाटा अधोलिखित है—

- टाटा स्टील** ने 130.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए शुद्ध लाभ 929.59 करोड़ रूपए द्वितीय तिमाही से सितम्बर 2004 तक कमाया जो एक वर्ष पूर्व की तिमाही से तुलना करने पर 403.10 करोड़ रूपए था। कम्पनी का शुद्ध लाभ पहली छमाही के लिए 1675.08 करोड़ रूपए था, जो 150 प्रतिशत की बढ़ोतरी विगत वर्ष की कालावधि के साथ तुलना करने पर दर्ज हुआ।
- एस्सार कम्पनी** का शुद्ध लाभ 30 सितम्बर 2004 को अंत होने वाली तिमाही पर 69.39 करोड़ रूपए था, विगत वर्ष की कालावधि के सापेक्ष यह 26.54 करोड़ रूपए के घाटे को दर्शाता है।
- इस्पात इंडस्ट्रीज** ने 30 सितम्बर 2004 को अंत होने वाले दूसरे तिमाही में शुद्ध लाभ 77.47 करोड़ रूपए दर्ज किया, जो विगत एक वर्ष पूर्व से तुलना करने पर यह 21.24 करोड़ का घाटा हुआ। 30 सितम्बर 2004 को अंत होने वाले 6 महीने की अवधि पर इस्पात इंडस्ट्रीज ने 31.85 करोड़ रूपए का पैट (PAT) दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की कालावधि से तुलना करने पर इसमें शुद्ध हानि 10.34 करोड़ रूपए की हुई।
- जिंदल विजय नगर स्टील लि.** ने द्वितीय छमाही में 24.7 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करते हुए शुद्ध लाभ 81.11 करोड़ कमाया जो विगत वर्ष की इसी छमाही में 23.41 करोड़ रूपए था। छमाही जो 30 सितम्बर 2004 को समाप्त हुई, JVSL ने 136 करोड़ रूपए का शुद्ध लाभ कमाया।

इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस यूनिट्स

- स्थिति** (बेसलाइन सर्वे रिपोर्ट और उत्पादन रिटर्न जो संयुक्त संयंत्र समिति कार्यालय को सौंपा गया था, के आधार पर)

स्थिति	संख्या	क्षमता (टन में)
कमीशन्ड यूनिट	190	14095270
बंद यूनिट	153	6025860
कार्यशील यूनिट	37	8069410

ii) उत्पादन

(‘000 टन में)

श्रेणी	2001-02	2002-03	2003-04	अप्रैल—दिस. '04 (प्रोवि.)
नरम इस्पात	965.2	1652.2	3473.1	1847.0
मध्यम/उच्च कार्बन इस्पात	1025.4	874.6	909.5	785.0
मिश्रित इस्पात	689.2	793.6	622.2	483.0
स्टेनलैस इस्पात	471.5	594.0	666.8	485.0
अन्य (सम्मिलित) कास्टिंग	171.4	313.4	342.8	66.0
कुल सूचित	3322.7	4227.8	6014.4	3666.0
कुल अनुमानित	960.0	960.1	170.7	1381.0
कुल योग	4282.7	5187.9	6185.1	5047.0

2. री-रोलिंग यूनिट्स

i) स्थिति

स्थिति	संख्या	क्षमता (टन में)
कमीशनड यूनिट	1901	24885447
बंद यूनिट	684	10077460
कार्यशील यूनिट	1217	14807987

ii) उत्पादन

हॉट रोलड दीर्घ उत्पाद निर्माता इकाईयों का उत्पादन (वर्तमान में संयुक्त संयंत्र समिति के कार्यालय से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उनका उत्पादन वर्तमान में) विगत तीन वर्षों के दौरान और वर्तमान वर्ष में अधोलिखित हैं

(‘000 टन में)

श्रेणी	2001-02	2002-03	2003-04	अप्रैल-दिस. '04 (प्रोवि.)
बार/रोड्स (मिश्रित स्पेयर्स)	2403.7	2670.0	1269.4	2775.0
वायर रोड्स	776.2	719.7	567.5	750.0
स्ट्रक्चरल	929.3	901.5	2357.2	973.5
हूप्स	7.6	20.4	12.4	22.5
स्पेशल सेक्शन	214.0	136.5	115.0	142.5
स्लैब्स/प्लेट्स	605.5	582.3	92.2	600.0
कुल सूचित	4936.3	5030.4	4413.7	5227.5
कुल अनुमानित	1730.1	2173.5	6464.9	2272.5
कुल योग	6666.4	7203.9	10878.6	7500.0

2. स्टील वायर ड्राइंग यूनिट्स

i) स्थिति

स्थिति	संख्या	क्षमता (टन में)
कमीशनड यूनिट	100	1475750
बंद यूनिट	74	973165
कार्यशील यूनिट	26	502585

ii) उत्पादन

स्टील वायर ड्राइंग यूनिट का उत्पादन (वर्तमान में संयुक्त संयंत्र समिति के कार्यालय से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उनका उत्पादन वर्तमान में) विगत तीन वर्षों के दौरान और वर्तमान वर्ष में अधोलिखित हैं

(‘000 टन में)

श्रेणी	2001-02	2002-03	2003-04	अप्रैल-दिस. '04 (प्रोवि.)
नरम इस्पात	115.8	141.8	148.4	124.5
मध्यम/उच्च कार्बन इस्पात	200.7	157.3	167.1	141.7
मिश्रित इस्पात	10.2	12.7	10.0	8.8
स्टेनलेस इस्पात	10.7	11.4	12.5	11.0
अन्य	21.0	39.2	35.9	36.6
कुल सूचित	358.5	362.4	373.9	321.6
कुल अनुमानित	25.5	3.3	10.2	3.4
कुल योग	384.0	365.7	384.1	325.0

4. हॉट रोल्ड स्टील शीट्स/स्ट्रिप्स/प्लेट्स यूनिट्स

i) स्थिति

स्थिति	संख्या	क्षमता (टन में)
कमीशन्ड यूनिट	13	7027500
बंद यूनिट	5	262500
कार्यशील यूनिट	8	6765000

ii) उत्पादन

हॉट रोल्ड स्टील शीट्स का उत्पादन (वर्तमान में संयुक्त संयंत्र समिति के कार्यालय से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उनका उत्पादन वर्तमान में) विगत तीन वर्षों के दौरान और वर्तमान वर्ष में अधोलिखित हैं

(‘000 टन में)

श्रेणी	2001-02	2002-03	2003-04	अप्रैल-दिस. '04 (प्रोवि.)
हॉट रोल्ड स्टील शीट्स/ स्ट्रिप्स	3963.8	5090.0	5846.6	4300.0
प्लेट्स	246.2	205.0	248.9	275.0
कुल सूचित	4210.0	5295.0	6133.5	4575.0

5. कोल्ड रोल्ड स्टील शीट्स/स्ट्रिप्स यूनिट्स

i) स्थिति

स्थिति	संख्या	क्षमता (टन में)
कमीशन्ड यूनिट	89	5829924
बंद यूनिट	36	805191
कार्यशील यूनिट	53	5024733

ii) उत्पादन

कोल्ड रोल्ड स्टील शीट्स/स्ट्रिप्स यूनिट का उत्पादन (वर्तमान में संयुक्त संयंत्र समिति के कार्यालय से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उनका उत्पादन वर्तमान में) विगत तीन वर्षों के दौरान और वर्तमान वर्ष में अधोलिखित हैं

(‘000 टन में)

श्रेणी	2001-02	2002-03	2003-04	अप्रैल-दिस. '04 (प्रोवि.)
नरम इस्पात	2623.2	2862.4	3084.7	2124.0
मध्यम कार्बन इस्पात	144.2	70.2	67.5	45.5
उच्च कार्बन इस्पात	—	—	—	—
मिश्रित इस्पात	0.4	0.5	0.5	0.4
स्टेनलैस इस्पात	89.2	169.6	197.0	93.6
अन्य	235.3	129.8	535.1	366.5
कुल सूचित	3092.2	3232.5	3885.8	2630.0
कुल अनुमानित	172.7	141.7	124.4	45.0
कुल योग	3264.9	3374.2	4010.2	2675.0

6. जीपी/जीसी, पीवीसी/विनायल कोटेड शीट्स/स्ट्रिप्स यूनिट्स

i) स्थिति

स्थिति	संख्या	क्षमता (टन में)
कमीशन्ड यूनिट	16	2604750
बंद यूनिट	1	43750
कार्यशील यूनिट	15	2561000

ii) उत्पादन

जीपी/जीसी, पीवीसी/विनायल कोटेड शीट्स/स्ट्रिप्स का उत्पादन (वर्तमान में संयुक्त संयंत्र समिति के कार्यालय से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उनका उत्पादन वर्तमान में) विगत तीन वर्षों के दौरान और वर्तमान वर्ष में अधोलिखित हैं।

(‘000 टन में)

श्रेणी	2001-02	2002-03	2003-04	अप्रैल-दिस. '04 (प्रोवि.)
जीपी/जीसी, पीवीसी (मिश्रित कलर कोटेड)	1835.7	2124.0	2561.0	1875.0
कुल सूचित	1835.7	2124.0	2561.0	1875.0

7. टिन प्लेट यूनिट्स

i) स्थिति

स्थिति	संख्या	क्षमता (टन में)
कमीशन्ड यूनिट	3	171638
बंद यूनिट	2	61638
कार्यशील यूनिट	1	110000

ii) उत्पादन

टिन प्लेट यूनिट का उत्पादन (वर्तमान में संयुक्त संयंत्र समिति के कार्यालय से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उनका उत्पादन वर्तमान में) विगत तीन वर्षों के दौरान और वर्तमान वर्ष में अधोलिखित हैं।

(‘000 टन में)

श्रेणी	2001-02	2002-03	2003-04	अप्रैल-दिस. '04 (प्रोवि.)
ऑयल कैन साइज	102.4	108.0	123.5	96.0
नॉन ऑयल कैन साइज	—	—	—	—
कुल सूचित	102.4	108.0	123.5	96.0

कच्चा लोहा उद्योग

कच्चा लोहा बुनियादी कच्चे माल के रूप में फाउंड्री और कास्टिंग उद्योग में जरूरत होती है और विभिन्न प्रकार के कास्टिंग अभियंत्रण क्षेत्र मेसर्स उषा मार्टिन इंडस्ट्रीज लि. मेसर्स जिंदल स्टील एण्ड पावर लि. और मेसर्स इस्पात इंडस्ट्रीज के पास एकीकृत मिनी ब्लास्ट फर्नेस है और इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में इस्पात उत्पादन के लिए चार्ज में गर्म धातु सीधे मिलाया जाता है। मेसर्स होसपेट स्टील जो कल्याणी और मुकुन्द और मेसर्स सदरन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लि. के संयुक्त उद्यम हैं, ने इस्पात उत्पादन के लिए अपना मिनी ब्लास्ट फर्नेस एनर्जी ऑप्टिमाइजिंग फर्नेस के साथ एकीकृत कर लिया है। अतिरिक्त गर्म धातु जो उनके द्वारा उत्पादित की जाती है कच्चा लोहा उत्पादन में सहायक होता है। इसके अतिरिक्त मिनी ब्लास्ट फर्नेस, एक कोरेक्स संयंत्र (पारम्परिक मिनी ब्लास्ट फर्नेस/ब्लास्ट फर्नेस का विकल्प) डाउन स्ट्रीम इस्पात निर्माण के साथ जो बुनियादी ऑक्सीजन भट्टी के द्वारा किया जाता है। जिसकी स्थापना जिंदल विजय नगर इस्पात लि. कर्नाटक ने किया है, कच्चे लोहे के उत्पादन में भी सहायक है।

विगत पाँच वर्षों के दौरान कच्चे लोहे का उत्पादन अधोलिखित तालिका में है :-

(मिलियन टन में)

खंड	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	अप्रैल-दिस. '04
नीजी क्षेत्र	2.434	3.055*	4.178*	2.798	1.725
उत्पादक	(72%)	(75%)	(79%)	(74%)	(82%)

* द्वितीयक उत्पादकों जैसे इस्पात मेटालिक्स, उषा मार्टिन, जेएसपीएल, कल्याणी-होसपेट, सिस्कोल आदि द्वारा गर्म धातु उत्पादन शामिल है :-

नोट बुक :- कोष्ठ के भीतर के आंकड़े संबंधित क्षेत्र द्वारा प्रतिशत योगदान को इंगित करते हैं। उत्पादन आंकड़े दिसंबर 2004 तक निजी/द्वितीयक क्षेत्र के संदर्भ 82 प्रतिशत स्तर तक सूचित किए गए हैं।

कच्चा लोहा उद्योग उत्पादन लागत में बढ़ोत्तरी हो जाने की समस्या का सामना कर रहा है क्योंकि आयातित मेटालार्जिकल कोक के आयात कीमत ऊंची हो गई। उद्योग को राहत प्रदान करने के लिए सरकार ने मेटालार्जिकल कोक पर आयात शुल्क में कमी कर दी।

स्पॉज आयरन एकांश

भारत विश्व में स्पंज आयरन का सर्वाधिक उत्पादक देश है। ऐसा अनुमानित है कि वर्तमान में देश में 90 स्पंज आयरन इकाईयां अपनी क्षमता प्रतिवर्ष 9.98 मिलियन टन से काम कर रही हैं। इसमें 87 कोयला आधारित इकाईयां जो प्रतिवर्ष 3.88 मिलियन टन क्षमता युक्त हैं। तीन गैस आधारित इकाईयां जो प्रतिवर्ष 6.10 मिलियन टन क्षमता युक्त हैं।

स्पॉज आयरन एकांशों का उत्पादन जो विगत तीन वर्षों के दौरान और वर्तमान वर्ष में अधोसूचित है :-

('000 टन में)

श्रेणी	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05 अप्रैल-दिस. '04
कुल सूचित	5443.0	6908.4	7287.3	6030.0
कुल अनुमानित	—	—	798.1	1170.0
कुल योग	5443.0	6908.4	8085.4	7200.0